प्रथम सत्र

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 5 (2021–22)

हिन्दी – अ (कोड – 002)

कक्षा – 10

निर्धारित समय– 90 मिनट **अधिकतम अंक – 40**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं – खण्ड – क, खण्ड – ख और खण्ड – ग।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खण्ड – क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
4. खण्ड – ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
5. खण्ड – ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. सही उत्तर वाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर. शीट में भरें।

खण्ड–क

अपठित अंश 10

1. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

पश्चिम की प्रौद्योगिकी और पूरब की धर्म चेतना का सर्वश्रेष्ठ लेकर ही नई मानव संस्कृति का निर्माण संभव है। पश्चिम नया धर्म चाहता है, पूरब नया ज्ञान। दोनों की अपनी–अपनी आवश्यकता है। वहाँ यंत्र है, मंत्र नहीं। यहाँ यंत्र है मंत्र नहीं। वहाँ भौतिक संपन्नता है, यहाँ आध्यात्मिक संपन्नता है। पश्चिम के आध्यात्मिक दैन्य को दूर करने के लिए पूरब की मैत्री, करुणा और अहिंसा के संदेश महत्त्वपूर्ण होंगे तो पूरब के भौतिक दैन्य को पश्चिम की प्रौद्योगिकी दूर करेगी। पूरब–पश्चिम के मिलन से ही मनुष्य की देह और आत्मा को एक साथ चरितार्थता मिलेगी। इससे प्रौद्योगिकी जड़ता के बंधनों से मुक्त होगी और पूरब का आध्यात्मवाद, परलोकवाद और निष्क्रियवाद से छुटकारा होगा। भाग्यवाद को प्रौद्योगिकी को सौंपकर हम मनुष्य की कर्मण्यता को चरितार्थ करेंगे और इस धरती के जीवन को स्वर्गोपम बनाएँगे। जीवन से भाग करके नहीं, उसके भीतर से ही हमें लोकमंगल की साधना करनी होगी। विरक्तिमूलक आध्यात्मिकता का स्थान लोकमांगलिक आध्यात्मिकता लेगी। यह आध्यात्मिकता लोकमंगल और लोकसेवा में ही चरितार्थता पाएगी। मनुष्य मात्र के दुख, उत्पीड़न और अभाव के प्रति संवेदित और क्रियाशील होकर ही हम अपनी आध्यात्मिकता को प्राणवान, जीवंत और सार्थक बना सकेंगे। ज्ञान को शक्ति में नहीं परमार्थ तथा उत्सर्ग में ढालकर ही हम मानवता को उजागर करेंगे। प्रकृति से हमने जो कुछ पाया है, उसे हम बलात छीनी हुई वस्तु क्यों मानें? क्यों न हम यह स्वीकार करें कि प्रकृति ने अपने अक्षय भंड़ार को मानव–मात्र के लिए अनावृत्त कर रखा है। प्रकृति के प्रति प्रतियोगिता या प्रतिस्पर्धा का भाव क्यों रखा जाए? वस्तुतः प्रकृति के प्रति सहयोगी, कृतज्ञ तथा सदाशय होकर ही मनुष्य अपनी भीतरी प्रकृति को राग–द्वेष से मुक्त करता है और स्पर्धा को प्रेम में बदलता है। आज आणविक प्रौद्योगिकी को मानव कल्याण का साधन बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। यह तभी संभव है जब मनुष्य की बौद्धिकता के साथ–साथ उसकी रागात्मकता का विकास हो। रवींद्र और गाँधी का यही संदेश है। 'कामायनी' के रचयिता जयशंकर प्रसाद ने श्रद्धा और इड़ा के समन्वय पर बल दिया है। मानवता की रक्षा और उसके विकास के लिए पूरब और पश्चिम का सम्मिलन आवश्यक है तभी कवि पंत का यह कथन चरितार्थ हो सकेगा 'मानव तुम सबसे सुंदरतम'।

i. उपर्युक्त अवतरण का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?
(क) पूरब और पश्चिम का सम्मिलन
(ख) मानव उत्पीड़न से मुक्ति
(ग) मानव तुम सबसे सुंदरतम
(घ) पूरब और पश्चिम

ii. मनुष्य का एक साथ दैहिक और आत्मिक विकास निम्नलिखित कथन की क्रियान्विति से ही संभव है–
(क) पूँजीवाद और साम्यवाद के समन्वय से
(ख) पूरब और पश्चिम के समन्वय से
(ग) लोक और परलोक के समन्वय से
(घ) तंत्र ओर मंत्र के समन्वय से

iii. मैत्री, करुणा और अहिंसा को अपनाने से दूर होने की संभावना है–
(क) प्राच्य भौतिकवाद के दैन्य की
(ख) पश्चिमी भौतिकवाद की विपन्नता की
(ग) पूरबी अध्यात्मवाद की विपन्नता की
(घ) पश्चिमी अध्यात्मवाद की विपन्नता की

iv. वर्तमान युग में अध्यात्मवाद सार्थकता प्राप्त कर सकता है–
(क) विरक्तिमूलक अध्यात्म को अपना करके
(ख) जीवन से पलायन करके
(ग) लोकहित की भावना से संपन्न होकर
(घ) प्रकृति पर विजय पाकर

v. पश्चिम की प्रौद्योगिकी और पूरब की धर्मचेतना का समन्वय आवश्यक है–
(क) प्रौद्योगिकी और अध्यात्म के समन्वय के लिए
(ख) बौद्धिकता और रागात्मकता के समन्वय हेतु
(ग) मानवता की रक्षा और विकास के लिए
(घ) यांत्रिकता और प्रौद्योगिकी के विकास हेतु

अथवा

स्वतंत्र व्यवसाय की अर्थनीति के नए वैश्विक वातावरण ने विदेशी पूँजी निवेश को खुली छूट दे रखी है जिसके कारण दूरदर्शन में ऐसे विज्ञापनों की भरमार हो गई है तो उन्मुक्त वासना, हिंसा, अपराध, लालच और ईर्ष्या जैसी मानव की हीनतम प्रवृत्तियों को आधार मानकर चल रहे हैं। अत्यंत खेद का विषय है कि राष्ट्रीय दूरदर्शन ने भी उनकी भोंडी नकल की ठान ली है। आधुनिकता के नाम पर जो कुछ दिखाया जा रहा है, सुनाया जा रहा है, उससे भारतीय जीवन मूल्यों का दूर का भी रिश्ता नहीं है, वे सत्य से भी कोसों दूर हैं। नई पीढ़ी जो स्वयं में रचनात्मक गुणों के विकास करने की जगह दूरदर्शन के सामने बैठकर कुछ सीखना, जानना और मनोरंजन करना चाहती है, उसका भगवान ही मालिक है।

जो असत्य है, वह सत्य नहीं हो सकता। समाज को शिव बनाने का प्रयत्न नहीं होगा तो समाज शव बनेगा ही। आज यह मजबूरी हो गई है कि दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले वासनायुक्त अश्लील दृश्यों से चार पीढ़ियाँ एक साथ आँखें चार कर रही हैं। नतीजा सामने है। बलात्कार, अपहरण, छोटी बच्चियों के साथ निकट संबंधियों द्वारा शर्मनाक यौनाचार की घटनाओं में वृद्धि। ठुमक कर चलते शिशु दूरदर्शन पर दिखाए और सुनाए जा रहे स्वर और भंगिमाओं पर अपनी कमर लचकाने लगे हैं। ऐसे कार्यक्रम न शिव हैं, न समाज को शिव बनाने की शक्ति है इनमें। फिर जो शिव नहीं, वह सुंदर कैसे हो सकता है?

i. 'समाज को शिव बनाने का प्रयत्न नहीं होगा तो समाज तो शव बनेगा ही' – इस वाक्य से लेखक का क्या तात्पर्य है?
(क) भारतीय दूरदर्शन अपने 'सत्यम शिवम सुंदरम' के आदर्श को भूलकर सामाजिक जीवन को विकृत कर रहा है।
(ख) वह समाज को नए जीवंत मूल्यों से अनुप्राणित करने के स्थान पर उसे मुर्दा बनाने मे लगा है।
(ग) वह भारतीय समाज को कल्याण के मार्ग पर न ले जाकर शमशान के मार्ग पर चला रहा है।
(घ) भारतीय दूरदर्शन अपना दायित्व ईमानदारी से नहीं निभा रहा है।

ii. नई आर्थिक नीति का प्रत्यक्ष प्रभाव क्या हो रहा है?
(क) विकासशील देश विकसित देशों की आर्थिक गुलामी में फँसते जा रहे हैं।
(ख) उपभोक्तावाद को खुला प्रोत्साहन मिल रहा है।
(ग) पाश्चात्य जीवन मूल्यों का विश्व के विकासशील देशों में व्यापक प्रचार हो रहा है।
(घ) विकासशील देश अपनी राष्ट्रहस अस्मिता खोते जा रहे हैं।

iii. नई आर्थिक व्यवस्था से भारतीय दूरदर्शन किस तरह प्रभावित है?
(क) भारतीय दूरदर्शन के कार्यक्रमों पर पाश्चात्य जीवन शैली का गहरा असर दिखाई दे रहा है।
(ख) पाश्चात्य मीडिया के अनुकरण पर भारतीय दूरदर्शन भी स्त्री स्वतंत्र का प्रचार करने लगा है।
(ग) हिंसा, यौनाचार, बलात्कार, अपहरण आदि मानव की ही वृत्तियों से संबंधित कार्यक्रमों का बाहुल्य हो चला है और यह सब पाश्चात्य मीडिया का ही असर है।
(घ) पाश्चात्य मीडिया के प्रभाव के चलते भारतीय दूरदर्शन नए और स्वतंत्र जीवन–मूल्यों की स्थापना में पूरे जोर से लग गया है।

iv. उपर्युक्त अवतरण का सर्वथा सही शीर्षक क्या होगा?
(क) भारतीय जीवन मूल्य और दूरदर्शन
(ख) पाश्चात्य जीवन मूल्यों का प्रचारक भारतीय दूरदर्शन
(ग) भारतीय दूरदर्शन की अनर्थकारी भूमिका
(घ) पाश्चात्य उपभोक्तावाद और भारतीय दूरदर्शन

v. अर्थनीति के नए वैश्विक वातावरण से लेखक का क्या तात्पर्य है?
(क) आर्थिक नीति में राष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाकर उसका उदारीकरण किया जाए जिससे कोई भी देश अन्य किसी देश में व्यवसाय करने उद्योग लगाने आदि आर्थिक कार्यक्रमों में स्वतंत्र हो।
(ख) अर्थव्यवस्था की दृष्टि से सारे विश्व को एक सूत्र में जुड़ जाना चाहिए।
(ग) विकासशील देशों का विकसित देशों की आर्थिक गुलामी में फँसना।
(घ) विकसित देशों के पूँजीपतियों को विकासशील देशों में पूँजी निवेश की स्वतंत्रता।

2. नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

लोहे के पेड़ हरे होंगे, तू गान प्रेम का गाता चल,
नम होगी यह मिट्टी ज़रूर, आँसू के कण बरसाता चल।
सिसकियों और चीत्कारों से, जितना भी हो आकाश भरा,
कंकालों का हो ढेर, खप्परों से चाहे हो पटी धरा।
आशा के स्वर का भार, पवन को लेकिन, लेना ही होगा।
जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा।
रंगों के सातों घट उड़ेल, यह अँधियाली रँग जाएगी।
उषा को सत्य बनाने को जावक नभ पर छितराता चल।
आदर्शों से आदर्श भिड़े, प्रज्ञा प्रज्ञा पर टूट रही,
प्रतिमा प्रतिमा से लड़ती है, धरती की किस्मत फूट रही।
आवर्तों का है विषम जाल, निरुपाय बुद्धि चकराती है,
विज्ञान–यान पर चढी हुई सभ्यता डूबने जाती है।
जब–जब मस्तिष्क जयी होता, संसार ज्ञान से चलता है,
शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल।

i. लोहे के पेड़ किसके प्रतीक हैं?
(क) नकली पेड़
(ख) मशीनें
(ग) मशीनी संस्कृति
(घ) विज्ञान

ii. 'नम होगी यह मिट्टी ज़रूर' कहकर कवि किस ओर संकेत कर रहा है?
(क) प्रेम के बल पर शुष्क हृदयों के भाव भरे जा सकते हैं
(ख) वर्षा न होने के कारण सूखी मिट्टी वर्षा आने पर नम ज़रूर हो जाएगी
(ग) सूखी आँखें फिर आँसुओं से नम हो जाएँगी
(घ) इतने आँसू बहाओ कि मिट्टी गीली हो जाए

iii. दुख और निराशा के वातावरण में मनुष्य का क्या कर्तव्य होना चाहिए?
(क) सपने देखे और साकार करे
(ख) आशा का संचार करे
(ग) मिट्टी को नम करे
(घ) विज्ञान यान पर सवार हो

iv. प्रेम की भावना से इस भौतिक–बौद्धिक संसार पर विजय पाई जा सकती है– यह भाव किस पंक्ति से व्यंजित हो रहा है?
(क) जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा
(ख) आशा के स्वर का भार, पवन को लेकिन, लेना ही होगा
(ग) जब–जब मस्तिष्क जयी होता, संसार ज्ञान से चलता है
(घ) शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल

v. 'विज्ञान–यान' में कौन–सा अलंकार है?
(क) अनुप्रास अलंकार
(ख) उपमा अलंकार
(ग) रूपक अलंकार
(घ) अन्योक्ति अलंकार

अथवा

थोड़े–से बच्चों के लिए
एक बगीचा हैं
उनके पाँव दूब पर पड़ रहे हैं
असंख्य बच्चों के लिए
कीचड़, धूल और गंदगी से पटी
गलियाँ हैं जिनमें वे
अपना भविष्य बीन रहे हैं
एक मेज़ है
सिर्फ़ छह बच्चों के लिए
और उनके सामने
उतने ही अंडे और उतने ही सेब हैं
एक कटोरदान है सौ बच्चों के बीच
और हज़ारों बच्चे
एक हाथ में रखी आधी रोटी को
दूसरे से तोड़ रहे हैं
ईश्वर होता तो इतनी देर में उसकी देह कोढ़ से गलने लगती
सत्य होता तो वह अपनी न्यायाधीश की
कुर्सी से उतरकर जलती सलाखें आँखों में खुपस लेता,
सुंदर होता तो वह अपने चेहरे पर
तेजाब पोत अंधे कुएँ में कूद गया होता, लेकिन .....
यहाँ दृश्य में
सिर्फ़ कुछ छपे हुए शब्द हैं
चापलूसी की नाँद में
लपलपाती जुबानें
और मस्तिष्क में काले गणित का
पैबंद है।

i. दूब पर पड़ने वाले पाँव किन बच्चों के हो सकते हैं–
(क) जो अभी बहुत छोटे हैं
(ख) जो समृद्ध परिवार से हैं
(ग) जो शिक्षित परिवार से हैं
(घ) जो गरीब परिवार से हैं

ii. 'वे अपना भविष्य बीन रहे हैं' का तात्पर्य है–
(क) कूड़ा बीनकर गरीब बच्चे अपना जीवन चलाते हैं
(ख) वे कूड़े में रहते हैं
(ग) असंख्य बच्चे सुख नहीं पाते
(घ) गलियों में बच्चे अपना भविष्य बनाते हैं

iii. "एक मेज़ है
सिर्फ़ छह बच्चों के लिए
और उनके सामने
उतने ही अंडे और उतने ही सेब हैं
एक कटोरदान है सौ बच्चों के बीच
और हज़ारों बच्चे
एक हाथ में रखी आधी रोटी को
दूसरे से तोड़ रहे हैं
उपर्युक्त पंक्तियों में कवि किस असमानता की बात कर रहा है–
(क) धार्मिक (ख) सामाजिक
(ग) आर्थिक (घ) शैक्षिक

iv. कवि किस बात से निराश हो गया है–
(क) नैतिक मूल्य कहीं खो गए हैं
(ख) असीम सत्ता को लोग पहचानते नहीं
(ग) न्याय पाने के लिए लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती है
(घ) बच्चों की पोशाकों में भी बहुत अंतर है

v. कवि हमें किस वास्तविकता से परिचित कराता है–
(क) समाज में असमानताएँ हैं और ईश्वर को उसकी चिंता नहीं है
(ख) बातें सिर्फ़ कागज़ी हैं, चापलूसी और जोड़–तोड़ का धंधा फल–फूल रहा है
(ग) यदि सत्य होता तो सच में न्यायाधीश अपना काम करते
(घ) बहुत–से बच्चे होटलों में काम करने को मज़बूर हैं

खण्ड–ख

व्यावहारिक व्याकरण 16

3. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. मुझे विश्वास है कि आप अवश्य आएँगे। रचना के आधार पर वाक्य भेद है–
(क) मिश्र वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) सरल वाक्य
(घ) इनमें से कोई नहीं

ii. पैसा कमाना एक बात है, उसे ढंग से व्यय करना अलग बात है। रचना के आधार पर वाक्य भेद है–
(क) सरल वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) इनमें से कोई नहीं

iii. निम्न में से मिश्र वाक्य को चिह्नित कीजिए–
(क) मजबूर करने पर ही वह मानेगा
(ख) मजबूर करने पर भी वह नहीं मानेगा
(ग) क्या मजबूर करने पर भी वह नहीं मानेगा
(घ) जब उसे मजबूर करोगे, वह मानेगा नहीं

iv. "वह खाना खाकर सो गया।" इस सरल वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए–
(क) उसने खाना खाया और सो गया
(ख) वह खाना खाकर सो गया।
(ग) वह खाना खाते ही सो गया।
(घ) उसने खाना खाया ही कि सो गया।

v. निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य छाँटकर लिखिए।
(क) तुम्हारे बाहर जाते ही वह चली गई।
(ख) तुम बाहर गए और वह भी चली गई।
(ग) जब तुम बाहर गए तब ही वह चली गई।
(घ) तुम बाहर गए थे इसीलिए वह भी बाहर ही चली गई।

4. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **$1 \times 4 = 4$**

i. आपको सूचित किया जाता है। इस वाक्य में वाच्य है–
(क) कर्तृवाच्य
(ख) कर्मवाच्य
(ग) भाववाच्य
(घ) इनमें से कोई नहीं

ii. निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य का वाक्य होगा–
(क) संगीत सम्राट तानसेन कहे जाते हैं।
(ख) तानसेन संगीत सम्राट कहलाते हैं।
(ग) तानसेन संगीत सम्राट कहे जाते हैं।
(घ) संगीत सम्राट तानसेन कहलाये जाते हैं।

iii. उनके द्वारा कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया गया। इस वाक्य का कर्तृवाच्य में उचित रूप होगा–
(क) उनसे कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।
(ख) उनके द्वारा कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।
(ग) उन्होंने कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।
(घ) उन्होंने सम्मान किया कैप्टन की देशभक्ति का।

iv. माँ ने कविता को पढ़ाया। इस वाक्य का कर्मवाच्य में रूप होगा–
(क) माँ कविता को पढ़ाती हैं।
(ख) पढ़ाया माँ ने कविता को।
(ग) माँ द्वारा कविता को पढ़ाया गया।
(घ) कविता माँ द्वारा पढ़ती है।

v. उसके द्वारा नीतिवचन कहे गए। इस वाक्य का वाच्य भेद है–
(क) भाववाच्य
(ख) कर्तवाच्य
(ग) कर्मवाच्य
(घ) इनमें से कोई नहीं

5. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **$1 \times 4 = 4$**

i. उस पौधे पर सुंदर फूल खिले थे। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद–परिचय है–
(क) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, बहुवचन, स्त्रीलिंग
(ख) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, बहुवचन, पुल्लिंग
(ग) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, एकवचन, स्त्रीलिंग
(घ) अकर्मक क्रिया, वर्तमानकाल, एकवचन, पुल्लिंग

ii. उसने जी तोड़ मेहनत की इसलिए परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद–परिचय है–
(क) संबंधबोधक अव्यय पद, दो शब्दों को जोड़ने का कार्य कर रहा है।
(ख) समुच्चयबोधक अव्यय पद, दो शब्दों को जोड़ने का कार्य कर रहा है।
(ग) संबंधबोधक अव्यय पद, दो वाक्यों को जोड़ने का कार्य कर रहा है।
(घ) समुच्चयबोधक अव्यय पद, दो वाक्यों को जोड़ने का कार्य कर रहा है।

iii. नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद–परिचय है–
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक
(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक

iv. वाक्य में प्रयुक्त शब्द कहलाता है–
(क) पद (ख) समास
(ग) अव्यय (घ) प्रत्यय

v. सर्वनाम पदों के परिचय में बताया जाता है–
(क) भेद, लिंग, वचन, कारक, पुरुष।
(ख) भेद, लिंग, वचन, धातु, पुरुष।
(ग) भेद, लिंग, वचन, काल, वाच्य।
(घ) भेद, लिंग, विशेष्य, कारक।

6. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. जब रस के सभी संघटक अपने अपने विशिष्ट गुणों को छोड़कर सामान्य हो जाते हैं, तो वह स्थिति कहलाती है?

(क) विलीनीकरण (ख) रसापकर्षक

(ग) साधारणीकरण (घ) कौशिकी वृत्ति

ii. खद्दर कुर्ता भकभको, नेता जैसी चाल।
येहि बालक मों मन बसौं सदा बिहारी लाल।।
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन–सा रस है?

(क) भक्ति रस (ख) करुण रस

(ग) हास्य रस (घ) भयानक रस

iii. वीर रस का स्थायी भाव क्या है?

(क) प्रेम (ख) क्रोध

(ग) रौद्र (घ) उत्साह

iv. अद्भुत रस से संबंधित वृत्ति कौन सी है?

(क) कौशिकी (ख) अकौशिकी

(ग) भारती (घ) नारदी

v. इनमें से किस रस की परस्पर मैत्री है?

(क) हास्य–शृंगार (ख) शांत–वीभत्स

(ग) करुण–हास्य (घ) भयानक–शृंगार

खण्ड–ग

पाठ्य पुस्तक 14

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा, मरियल–सा लँगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी–सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत–से चश्मे लिए अभी–अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं। फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है? लेकिन पानवाले ने साफ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था।

i. कैप्टन कैसा आदमी था?

(क) बेहद ताकत वर (ख) बूढ़ा और लंगड़ा

(ग) नौजवान (घ) जवान और ताकतवर

ii. चश्मेवाले की दुकान कैसी थी?

(क) बहुत बड़ी (ख) छोटी और टूटी हुई

(ग) बहुत छोटी (घ) दुकान नहीं थी

iii. बाँस पर क्या टँगे थे?

(क) टोपी (ख) टोपी व चश्मे

(ग) चश्मे (घ) कुछ नहीं

iv. हालदार साहब की दृष्टि में कौन देशभक्त था?

(क) पानवाला (ख) मूर्तिकार

(ग) चश्मेवाला (घ) स्वयं हालदार साहब

v. हालदार साहब के मन में कैप्टन के प्रति कैसा भाव था?

(क) दया (ख) ईर्ष्या

(ग) क्रोध (घ) इनमें से कोई नहीं

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. 'पूरब में लोही' लगने शब्द से क्या मतलब है?

(क) सुबह के समय सूरज की लालिमा

(ख) पूरब में उगने वाला फल

(ग) लोहे का एक पात्र जो पूरब के लोग इस्तेमाल करते हैं।

(घ) लोहे में जंग लगना

ii. इकलौते बेटे की मृत्यु के बाद बालगोबिन भगत गा क्यों रहे थे?

(क) क्योंकि उनका मनना था कि आत्मा परमात्मा के पास चली गई है। विरहिनी अपने प्रेमी से जाकर मिल गई। इसलिए वे गाकर उत्सव मना रहे थे।

(ख) क्योंकि वे दुखी थे। अपना सुध–बुध खो बैठे थे।

(ग) वे शोक में डूबे थे, इसलिए गा रहे थे।

(घ) इनमें से कोई नहीं

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग–सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै सूर, जो प्रजा न जाहिं सताए।

i. काव्यांश में मधुकर किसे कहा गया है?

(क) कृष्ण को (ख) उद्धव को

(ग) साधु को (घ) भौरे को

ii. पहले से चतुर किसे कहा गया है?

(क) उद्धव को (ख) कृष्ण को

(ग) राधा को (घ) गोपियों को

iii. पहले के लोग किसके कल्याण के लिए घूमते थे?

(क) स्वयं के (ख) दूसरो के

(ग) गोपियों के (घ) कृष्ण के

iv. कृष्ण ने गोपियों के साथ क्या अपनाई?

(क) नीति (ख) योग

(ग) अनीति (घ) राजनीति

v. प्रस्तुत काव्यांश में किस पर व्यंग्य किया गया है?

(क) कृष्ण द्वारा गोपियों पर

(ख) उद्धव द्वारा गोपियों पर

(ग) गोपियों द्वारा कृष्ण पर

(घ) कृष्ण द्वारा उद्धव पर

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. तुलसीदास किस शाखा के प्रतिनिधि कवि थे?

(क) बल्लभमार्गी शाखा

(ख) शिवमार्गी शाखा

(ग) कृष्णमार्गी शाखा

(घ) राममार्गी शाखा

ii. इनमें कौन–सी रचना तुलसीदास जी की नहीं है?

(क) रामचरितमानस

(ख) सुदामा–चरित

(ग) कवितावली

(घ) विनय पत्रिका

प्रथम सत्र
प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 5 (2021–22)
हिन्दी – अ (कोड – 002)
कक्षा – 10

निर्धारित समय– 90 मिनट **अधिकतम अंक – 40**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं – खण्ड – क, खण्ड – ख और खण्ड – ग।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खण्ड – क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
4. खण्ड – ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
5. खण्ड – ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. सही उत्तर वाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर. शीट में भरें।

खण्ड–क

अपठित अंश 10

1. **नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–** $1 \times 5 = 5$

पश्चिम की प्रौद्योगिकी और पूरब की धर्म चेतना का सर्वश्रेष्ठ लेकर ही नई मानव संस्कृति का निर्माण संभव है। पश्चिम नया धर्म चाहता है, पूरब नया ज्ञान। दोनों की अपनी–अपनी आवश्यकता है। वहाँ यंत्र है, मंत्र नहीं। यहाँ यंत्र है मंत्र नहीं। वहाँ भौतिक संपन्नता है, यहाँ आध्यात्मिक संपन्नता है। पश्चिम के आध्यात्मिक दैन्य को दूर करने के लिए पूरब की मैत्री, करुणा और अहिंसा के संदेश महत्त्वपूर्ण होंगे तो पूरब के भौतिक दैन्य को पश्चिम की प्रौद्योगिकी दूर करेगी। पूरब–पश्चिम के मिलन से ही मनुष्य की देह और आत्मा को एक साथ चरितार्थता मिलेगी। इससे प्रौद्योगिकी जड़ता के बंधनों से मुक्त होगी और पूरब का आध्यात्मवाद, परलोकवाद और निष्क्रियवाद से छुटकारा होगा। भाग्यवाद को प्रौद्योगिकी को सौंपकर हम मनुष्य की कर्मण्यता को चरितार्थ करेंगे और इस धरती के जीवन को स्वर्गोपम बनाएँगे। जीवन से भाग करके नहीं, उसके भीतर से ही हमें लोकमंगल की साधना करनी होगी। विरक्तिमूलक आध्यात्मिकता का स्थान लोकमांगलिक आध्यात्मिकता लेगी। यह आध्यात्मिकता लोकमंगल और लोकसेवा में ही चरितार्थता पाएगी। मनुष्य मात्र के दुख, उत्पीड़न और अभाव के प्रति संवेदित और क्रियाशील होकर ही हम अपनी आध्यात्मिकता को प्राणवान, जीवंत और सार्थक बना सकेंगे। ज्ञान को शक्ति में नहीं परमार्थ तथा उत्सर्ग में ढालकर ही हम मानवता को उजागर करेंगे। प्रकृति से हमने जो कुछ पाया है, उसे हम बलात छीनी हुई वस्तु क्यों मानें? क्यों न हम यह स्वीकार करें कि प्रकृति ने अपने अक्षय भंड़ार को मानव–मात्र के लिए अनावृत्त कर रखा है। प्रकृति के प्रति प्रतियोगिता या प्रतिस्पर्धा का भाव क्यों रखा जाए? वस्तुतः प्रकृति के प्रति सहयोगी, कृतज्ञ तथा सदाशय होकर ही मनुष्य अपनी भीतरी प्रकृति को राग–द्वेष से मुक्त करता है और स्पर्धा को प्रेम में बदलता है। आज आणविक प्रौद्योगिकी को मानव कल्याण का साधन बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। यह तभी संभव है जब मनुष्य की बौद्धिकता के साथ–साथ उसकी रागात्मकता का विकास हो। रवींद्र और गाँधी का यही संदेश है। 'कामायनी' के रचयिता जयशंकर प्रसाद ने श्रद्धा और इड़ा के समन्वय पर बल दिया है। मानवता की रक्षा और उसके विकास के लिए पूरब और पश्चिम का सम्मिलन आवश्यक है तभी कवि पंत का यह कथन चरितार्थ हो सकेगा 'मानव तुम सबसे सुंदरतम'।

i. उपर्युक्त अवतरण का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?

(क) पूरब और पश्चिम का सम्मिलन

(ख) मानव उत्पीड़न से मुक्ति

(ग) मानव तुम सबसे सुंदरतम

(घ) पूरब और पश्चिम

उत्तर : (क) पूरब और पश्चिम का सम्मिलन

ii. मनुष्य का एक साथ दैहिक और आत्मिक विकास निम्नलिखित कथन की क्रियान्विति से ही संभव है–

(क) पूँजीवाद और साम्यवाद के समन्वय से

(ख) पूरब और पश्चिम के समन्वय से

(ग) लोक और परलोक के समन्वय से

(घ) तंत्र ओर मंत्र के समन्वय से

उत्तर : (ख) पूरब और पश्चिम के समन्वय से

iii. मैत्री, करुणा और अहिंसा को अपनाने से दूर होने की संभावना है–

(क) प्राच्य भौतिकवाद के दैन्य की

(ख) पश्चिमी भौतिकवाद की विपन्नता की

(ग) पूरबी अध्यात्मवाद की विपन्नता की

(घ) पश्चिमी अध्यात्मवाद की विपन्नता की

उत्तर : (ख) पश्चिमी भौतिकवाद की विपन्नता की

iv. वर्तमान युग में अध्यात्मवाद सार्थकता प्राप्त कर सकता है–

(क) विरक्तिमूलक अध्यात्म को अपना करके

(ख) जीवन से पलायन करके

(ग) लोकहित की भावना से संपन्न होकर

(घ) प्रकृति पर विजय पाकर

उत्तर : (ग) लोकहित की भावना से संपन्न होकर

v. पश्चिम की प्रौद्योगिकी और पूरब की धर्मचेतना का समन्वय आवश्यक है–

(क) प्रौद्योगिकी और अध्यात्म के समन्वय के लिए

(ख) बौद्धिकता और रागात्मकता के समन्वय हेतु

(ग) मानवता की रक्षा और विकास के लिए

(घ) यांत्रिकता और प्रौद्योगिकी के विकास हेतु

उत्तर : (ग) मानवता की रक्षा और विकास के लिए

अथवा

स्वतंत्र व्यवसाय की अर्थनीति के नए वैश्विक वातावरण ने विदेशी पूँजी निवेश को खुली छूट दे रखी है जिसके कारण दूरदर्शन में ऐसे विज्ञापनों की भरमार हो गई है तो उन्मुक्त वासना, हिंसा, अपराध, लालच और ईर्ष्या जैसी मानव की हीनतम प्रवृत्तियों को आधार मानकर चल रहे हैं। अत्यंत खेद का विषय है कि राष्ट्रीय दूरदर्शन ने भी उनकी भोंडी नकल की ठान ली है। आधुनिकता के नाम पर जो कुछ दिखाया जा रहा है, सुनाया जा रहा है, उससे भारतीय जीवन मूल्यों का दूर का भी रिश्ता नहीं है, वे सत्य से भी कोसों दूर हैं। नई पीढ़ी जो स्वयं में रचनात्मक गुणों के विकास करने की जगह दूरदर्शन के सामने बैठकर कुछ सीखना, जानना और मनोरंजन करना चाहती है, उसका भगवान ही मालिक है।

जो असत्य है, वह सत्य नहीं हो सकता। समाज को शिव बनाने का प्रयत्न नहीं होगा तो समाज शव बनेगा ही। आज यह मजबूरी हो गई है कि दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले वासनायुक्त अश्लील दृश्यों से चार पीढ़ियाँ एक साथ आँखें चार कर रही हैं। नतीजा सामने है। बलात्कार, अपहरण, छोटी बच्चियों के साथ निकट संबंधियों द्वारा शर्मनाक यौनाचार की घटनाओं में वृद्धि। ठुमक कर चलते शिशु दूरदर्शन पर दिखाए और सुनाए जा रहे स्वर और भंगिमाओं पर अपनी कमर लचकाने लगे हैं। ऐसे कार्यक्रम न शिव हैं, न समाज को शिव बनाने की शक्ति है इनमें। फिर जो शिव नहीं, वह सुंदर कैसे हो सकता है?

i. 'समाज को शिव बनाने का प्रयत्न नहीं होगा तो समाज तो शव बनेगा ही' – इस वाक्य से लेखक का क्या तात्पर्य है?

(क) भारतीय दूरदर्शन अपने 'सत्यम शिवम सुंदरम' के आदर्श को भूलकर सामाजिक जीवन को विकृत कर रहा है।

(ख) वह समाज को नए जीवंत मूल्यों से अनुप्राणित करने के स्थान पर उसे मुर्दा बनाने मे लगा है।

(ग) वह भारतीय समाज को कल्याण के मार्ग पर न ले जाकर शमशान के मार्ग पर चला रहा है।

(घ) भारतीय दूरदर्शन अपना दायित्व ईमानदारी से नहीं निभा रहा है।

उत्तर : (क) भारतीय दूरदर्शन अपने 'सत्यम शिवम सुंद. रम' के आदर्श को भूलकर सामाजिक जीवन को विकृत कर रहा है।

ii. नई आर्थिक नीति का प्रत्यक्ष प्रभाव क्या हो रहा है?

(क) विकासशील देश विकसित देशों की आर्थिक गुलामी में फँसते जा रहे हैं।

(ख) उपभोक्तावाद को खुला प्रोत्साहन मिल रहा है।

(ग) पाश्चात्य जीवन मूल्यों का विश्व के विकासशील देशों में व्यापक प्रचार हो रहा है।

(घ) विकासशील देश अपनी राष्ट्रहस अस्मिता खोते जा रहे हैं।

उत्तर : (ग) पाश्चात्य जीवन मूल्यों का विश्व के विकासशील देशों में व्यापक प्रचार हो रहा है।

iii. नई आर्थिक व्यवस्था से भारतीय दूरदर्शन किस तरह प्रभावित है?

(क) भारतीय दूरदर्शन के कार्यक्रमों पर पाश्चात्य जीवन शैली का गहरा असर दिखाई दे रहा है।

(ख) पाश्चात्य मीडिया के अनुकरण पर भारतीय दूरदर्शन भी स्त्री स्वतंत्र का प्रचार करने लगा है।

(ग) हिंसा, यौनाचार, बलात्कार, अपहरण आदि मानव की ही वृत्तियों से संबंधित कार्यक्रमों का बाहुल्य हो चला है और यह सब पाश्चात्य मीडिया का ही असर है।

(घ) पाश्चात्य मीडिया के प्रभाव के चलते भारतीय दूरदर्शन नए और स्वतंत्र जीवन–मूल्यों की स्थापना में पूरे जोर से लग गया है।

उत्तर : (ग) हिंसा, यौनाचार, बलात्कार, अपहरण आदि मानव की ही वृत्तियों से संबंधित कार्यक्रमों का बाहुल्य हो चला है और यह सब पाश्चात्य मीडिया का ही असर है।

iv. उपर्युक्त अवतरण का सर्वथा सही शीर्षक क्या होगा?

(क) भारतीय जीवन मूल्य और दूरदर्शन

(ख) पाश्चात्य जीवन मूल्यों का प्रचारक भारतीय दूरदर्शन

(ग) भारतीय दूरदर्शन की अनर्थकारी भूमिका

(घ) पाश्चात्य उपभोक्तावाद और भारतीय दूरदर्शन

उत्तर : (ग) भारतीय दूरदर्शन की अनर्थकारी भूमिका

v. अर्थनीति के नए वैश्विक वातावरण से लेखक का क्या तात्पर्य है?

(क) आर्थिक नीति में राष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाकर उसका उदारीकरण किया जाए जिससे कोई भी देश अन्य किसी देश में व्यवसाय करने उद्योग लगाने आदि आर्थिक कार्यक्रमों में स्वतंत्र हो।

(ख) अर्थव्यवस्था की दृष्टि से सारे विश्व को एक सूत्र में जुड़ जाना चाहिए।

(ग) विकासशील देशों का विकसित देशों की आर्थिक गुलामी में फँसना।

(घ) विकसित देशों के पूँजीपतियों को विकासशील देशों में पूँजी निवेश की स्वतंत्रता।

उत्तर : (क) आर्थिक नीति में राष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटा. कर उसका उदारीकरण किया जाए जिससे कोई भी देश अन्य किसी देश में व्यवसाय करने उद्योग लगाने आदि आर्थिक कार्यक्रमों में स्वतंत्र हो।

2. नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

लोहे के पेड़ हरे होंगे, तू गान प्रेम का गाता चल,
नम होगी यह मिट्टी ज़रूर, आँसू के कण बरसाता चल।
सिसकियों और चीत्कारों से, जितना भी हो आकाश भरा,
कंकालों का हो ढेर, खप्परों से चाहे हो पटी धरा।
आशा के स्वर का भार, पवन को लेकिन, लेना ही होगा।
जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा।
रंगों के सातों घट उड़ेल, यह अँधियाली रँग जाएगी।
उषा को सत्य बनाने को जावक नभ पर छितराता चल।
आदर्शों से आदर्श भिड़े, प्रज्ञा प्रज्ञा पर टूट रही,
प्रतिमा प्रतिमा से लड़ती है, धरती की किस्मत फूट रही।
आवर्तों का है विषम जाल, निरुपाय बुद्धि चकराती है,
विज्ञान–यान पर चढी हुई सभ्यता डूबने जाती है।
जब–जब मस्तिष्क जयी होता, संसार ज्ञान से चलता है,
शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल।

i. लोहे के पेड़ किसके प्रतीक हैं?

(क) नकली पेड़

(ख) मशीनें

(ग) मशीनी संस्कृति

(घ) विज्ञान

उत्तर : (ग) मशीनी संस्कृति

ii. 'नम होगी यह मिट्टी ज़रूर' कहकर कवि किस ओर संकेत कर रहा है?

(क) प्रेम के बल पर शुष्क हृदयों के भाव भरे जा सकते हैं

(ख) वर्षा न होने के कारण सूखी मिट्टी वर्षा आने पर नम ज़रूर हो जाएगी

(ग) सूखी आँखें फिर आँसुओं से नम हो जाएँगी

(घ) इतने आँसू बहाओ कि मिट्टी गीली हो जाए

उत्तर : (क) प्रेम के बल पर शुष्क हृदयों के भाव भरे जा सकते है

iii. दुख और निराशा के वातावरण में मनुष्य का क्या कर्तव्य होना चाहिए?

(क) सपने देखे और साकार करे

(ख) आशा का संचार करे

(ग) मिट्टी को नम करे

(घ) विज्ञान यान पर सवार हो

उत्तर : (ख) आशा का संचार करे

iv. प्रेम की भावना से इस भौतिक–बौद्धिक संसार पर विजय पाई जा सकती है– यह भाव किस पंक्ति से व्यंजित हो रहा है?

(क) जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा

(ख) आशा के स्वर का भार, पवन को लेकिन, लेना ही होगा

(ग) जब–जब मस्तिष्क जयी होता, संसार ज्ञान से चलता है

(घ) शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल

उत्तर : (घ) शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल

v. 'विज्ञान–यान' में कौन–सा अलंकार है?

(क) अनुप्रास अलंकार (ख) उपमा अलंकार

(ग) रूपक अलंकार (घ) अन्योक्ति अलंकार

उत्तर : (ग) रूपक अलंकार

अथवा

थोड़े–से बच्चों के लिए
एक बगीचा हैं
उनके पाँव दूब पर पड़ रहे हैं
असंख्य बच्चों के लिए
कीचड़, धूल और गंदगी से पटी
गलियाँ हैं जिनमें वे
अपना भविष्य बीन रहे हैं
एक मेज़ है
सिर्फ़ छह बच्चों के लिए
और उनके सामने
उतने ही अंडे और उतने ही सेब हैं
एक कटोरदान है सौ बच्चों के बीच
और हज़ारों बच्चे
एक हाथ में रखी आधी रोटी को
दूसरे से तोड़ रहे हैं
ईश्वर होता तो इतनी देर में उसकी देह कोढ़ से गलने लगती
सत्य होता तो वह अपनी न्यायाधीश की
कुर्सी से उतरकर जलती सलाखें आँखों में खुपस लेता,
सुंदर होता तो वह अपने चेहरे पर
तेजाब पोत अंधे कुएँ में कूद गया होता, लेकिन .....
यहाँ दृश्य में
सिर्फ़ कुछ छपे हुए शब्द हैं
चापलूसी की नाँद में
लपलपाती जुबानें
और मस्तिष्क में काले गणित का
पैबंद है।

i. दूब पर पड़ने वाले पाँव किन बच्चों के हो सकते हैं–

(क) जो अभी बहुत छोटे हैं

(ख) जो समृद्ध परिवार से हैं

(ग) जो शिक्षित परिवार से हैं

(घ) जो गरीब परिवार से हैं

उत्तर : (ख) जो समृद्ध परिवार से हैं

ii. 'वे अपना भविष्य बीन रहे हैं' का तात्पर्य है–

(क) कूड़ा बीनकर गरीब बच्चे अपना जीवन चलाते हैं

(ख) वे कूड़े में रहते हैं

(ग) असंख्य बच्चे सुख नहीं पाते

(घ) गलियों में बच्चे अपना भविष्य बनाते हैं

उत्तर : (क) कूड़ा बीनकर गरीब बच्चे अपना जीवन चलाते हैं

iii. "एक मेज़ है
सिर्फ़ छह बच्चों के लिए
और उनके सामने
उतने ही अंडे और उतने ही सेब हैं
एक कटोरदान है सौ बच्चों के बीच
और हज़ारों बच्चे
एक हाथ में रखी आधी रोटी को
दूसरे से तोड़ रहे हैं

उपर्युक्त पंक्तियों में कवि किस असमानता की बात कर रहा है–

(क) धार्मिक (ख) सामाजिक

(ग) आर्थिक (घ) शैक्षिक

उत्तर : (ग) आर्थिक

iv. कवि किस बात से निराश हो गया है–

(क) नैतिक मूल्य कहीं खो गए हैं

(ख) असीम सत्ता को लोग पहचानते नहीं

(ग) न्याय पाने के लिए लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती है

(घ) बच्चों की पोशाकों में भी बहुत अंतर है

उत्तर : (क) नैतिक मूल्य कहीं खो गए हैं

v. कवि हमें किस वास्तविकता से परिचित कराता है–

(क) समाज में असमानताएँ हैं और ईश्वर को उसकी चिंता नहीं है

(ख) बातें सिर्फ़ कागज़ी हैं, चापलूसी और जोड़–तोड़ का धंधा फल–फूल रहा है

(ग) यदि सत्य होता तो सच में न्यायाधीश अपना काम करते

(घ) बहुत–से बच्चे होटलों में काम करने को मज़बूर हैं

उत्तर : (ख) बातें सिर्फ़ कागज़ी हैं, चापलूसी और जोड़–तोड़ का धंधा फल–फूल रहा है

खण्ड–ख

व्यावहारिक व्याकरण 16

3. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. मुझे विश्वास है कि आप अवश्य आएँगे। रचना के आधार पर वाक्य भेद है–
(क) मिश्र वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) सरल वाक्य
(घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (क) मिश्र वाक्य

ii. पैसा कमाना एक बात है, उसे ढंग से व्यय करना अलग बात है। रचना के आधार पर वाक्य भेद है–
(क) सरल वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ख) संयुक्त वाक्य

iii. निम्न में से मिश्र वाक्य को चिह्नित कीजिए–
(क) मजबूर करने पर ही वह मानेगा
(ख) मजबूर करने पर भी वह नहीं मानेगा
(ग) क्या मजबूर करने पर भी वह नहीं मानेगा
(घ) जब उसे मजबूर करोगे, वह मानेगा नहीं
उत्तर : (घ) जब उसे मजबूर करोगे, वह मानेगा नहीं

iv. "वह खाना खाकर सो गया।" इस सरल वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए–
(क) उसने खाना खाया और सो गया
(ख) वह खाना खाकर सो गया।
(ग) वह खाना खाते ही सो गया।
(घ) उसने खाना खाया ही कि सो गया।
उत्तर : (क) उसने खाना खाया और सो गया

v. निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य छाँटकर लिखिए।
(क) तुम्हारे बाहर जाते ही वह चली गई।
(ख) तुम बाहर गए और वह भी चली गई।
(ग) जब तुम बाहर गए तब ही वह चली गई।
(घ) तुम बाहर गए थे इसीलिए वह भी बाहर ही चली गई।
उत्तर : (ख) तुम बाहर गए और वह भी चली गई।

4. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. आपको सूचित किया जाता है। इस वाक्य में वाच्य है–
(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य
(ग) भाववाच्य (घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ख) कर्मवाच्य

ii. निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य का वाक्य होगा–
(क) संगीत सम्राट तानसेन कहे जाते हैं।
(ख) तानसेन संगीत सम्राट कहलाते हैं।
(ग) तानसेन संगीत सम्राट कहे जाते हैं।
(घ) संगीत सम्राट तानसेन कहलाये जाते हैं।
उत्तर : (ख) तानसेन संगीत सम्राट कहलाते हैं।

iii. उनके द्वारा कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया गया। इस वाक्य का कर्तृवाच्य में उचित रूप होगा–
(क) उनसे कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।
(ख) उनके द्वारा कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।
(ग) उन्होंने कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।
(घ) उन्होंने सम्मान किया कैप्टन की देशभक्ति का।
उत्तर : (ग) उन्होंने कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।

iv. माँ ने कविता को पढ़ाया। इस वाक्य का कर्मवाच्य में रूप होगा–
(क) माँ कविता को पढ़ाती हैं।
(ख) पढ़ाया माँ ने कविता को।
(ग) माँ द्वारा कविता को पढ़ाया गया।
(घ) कविता माँ द्वारा पढ़ती है।
उत्तर : (ग) माँ द्वारा कविता को पढ़ाया गया।

v. उसके द्वारा नीतिवचन कहे गए। इस वाक्य का वाच्य भेद है–
(क) भाववाच्य (ख) कर्तवाच्य
(ग) कर्मवाच्य (घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ग) कर्मवाच्य

5. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. उस पौधे पर सुंदर फूल खिले थे। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद–परिचय है–
(क) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, बहुवचन, स्त्रीलिंग
(ख) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, बहुवचन, पुल्लिंग
(ग) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, एकवचन, स्त्रीलिंग
(घ) अकर्मक क्रिया, वर्तमानकाल, एकवचन, पुल्लिंग
उत्तर : (ख) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, बहुवचन, पुल्लिंग

ii. उसने जी तोड़ मेहनत की इसलिए परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद–परिचय है–
(क) संबंधबोधक अव्यय पद, दो शब्दों को जोड़ने का कार्य कर रहा है।
(ख) समुच्चयबोधक अव्यय पद, दो शब्दों को जोड़ने का कार्य कर रहा है।
(ग) संबंधबोधक अव्यय पद, दो वाक्यों को जोड़ने का कार्य कर रहा है।
(घ) समुच्चयबोधक अव्यय पद, दो वाक्यों को जोड़ने का कार्य कर रहा है।
उत्तर : (घ) समुच्चयबोधक अव्यय पद, दो वाक्यों को जोड़ने का कार्य कर रहा है।

iii. नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद–परिचय है–
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक
(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक
उत्तर : (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक

iv. वाक्य में प्रयुक्त शब्द कहलाता है–
(क) पद (ख) समास
(ग) अव्यय (घ) प्रत्यय
उत्तर : (क) पद

v. सर्वनाम पदों के परिचय में बताया जाता है–
(क) भेद, लिंग, वचन, कारक, पुरुष।
(ख) भेद, लिंग, वचन, धातु, पुरुष।
(ग) भेद, लिंग, वचन, काल, वाच्य।
(घ) भेद, लिंग, विशेष्य, कारक।
उत्तर : (क) भेद, लिंग, वचन, कारक, पुरुष।

6. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. जब रस के सभी संघटक अपने अपने विशिष्ट गुणों को छोड़कर सामान्य हो जाते हैं, तो वह स्थिति कहलाती है?
(क) विलीनीकरण
(ख) रसापकर्षक
(ग) साधारणीकरण
(घ) कौशिकी वृत्ति
उत्तर : (ग) साधारणीकरण

ii. खद्दर कुर्ता भकभको, नेता जैसी चाल।
येहि बालक मों मन बसौं सदा बिहारी लाल।।
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन–सा रस है?
(क) भक्ति रस (ख) करुण रस
(ग) हास्य रस (घ) भयानक रस
उत्तर : (ग) हास्य रस

iii. वीर रस का स्थायी भाव क्या है?
(क) प्रेम (ख) क्रोध
(ग) रौद्र (घ) उत्साह
उत्तर : (घ) उत्साह

iv. अद्भुत रस से संबंधित वृत्ति कौन सी है?
(क) कौशिकी (ख) अकौशिकी
(ग) भारती (घ) नारदी
उत्तर : (ग) भारती

v. इनमें से किस रस की परस्पर मैत्री है?
(क) हास्य–श्रृंगार (ख) शांत–वीभत्स
(ग) करुण–हास्य (घ) भयानक–श्रृंगार
उत्तर : (क) हास्य–श्रृंगार

खण्ड–ग

पाठ्य पुस्तक 14

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा, मरियल–सा लँगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी–सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत–से चश्मे लिए अभी–अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं। फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है? लेकिन पानवाले ने साफ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था।

i. कैप्टन कैसा आदमी था?
(क) बेहद ताकत वर (ख) बूढ़ा और लंगड़ा
(ग) नौजवान (घ) जवान और ताकतवर
उत्तर : (ख) बूढ़ा और लंगड़ा

ii. चश्मेवाले की दुकान कैसी थी?
(क) बहुत बड़ी (ख) छोटी और टूटी हुई
(ग) बहुत छोटी (घ) दुकान नहीं थी
उत्तर : (घ) दुकान नहीं थी

iii. बाँस पर क्या टँगे थे?

(क) टोपी (ख) टोपी व चश्मे

(ग) चश्मे (घ) कुछ नहीं

उत्तर : (ग) चश्मे

iv. हालदार साहब की दृष्टि में कौन देशभक्त था?

(क) पानवाला (ख) मूर्तिकार

(ग) चश्मेवाला (घ) स्वयं हालदार साहब

उत्तर : (ग) चश्मेवाला

v. हालदार साहब के मन में कैप्टन के प्रति कैसा भाव था?

(क) दया (ख) ईर्ष्या

(ग) क्रोध (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (क) दया

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. 'पूरब में लोही' लगने शब्द से क्या मतलब है?

(क) सुबह के समय सूरज की लालिमा

(ख) पूरब में उगने वाला फल

(ग) लोहे का एक पात्र जो पूरब के लोग इस्तेमाल करते हैं।

(घ) लोहे में जंग लगना

उत्तर : (क) सुबह के समय सूरज की लालिमा

ii. इकलौते बेटे की मृत्यु के बाद बालगोबिन भगत गा क्यों रहे थे?

(क) क्योंकि उनका मनना था कि आत्मा परमात्मा के पास चली गई है। विरहिनी अपने प्रेमी से जाकर मिल गई। इसलिए वे गाकर उत्सव मना रहे थे।

(ख) क्योंकि वे दुखी थे। अपना सुध–बुध खो बैठे थे।

(ग) वे शोक में डूबे थे, इसलिए गा रहे थे।

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (क) क्योंकि उनका मनना था कि आत्मा परमात्मा के पास चली गई है। विरहिनी अपने प्रेमी से जाकर मिल गई। इसलिए वे गाकर उत्सव मना रहे थे

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग–सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै सूर, जो प्रजा न जाहिं सताए।

i. काव्यांश में मधुकर किसे कहा गया है?

(क) कृष्ण को (ख) उद्धव को

(ग) साधु को (घ) भौरे को

उत्तर : (ख) उद्धव को

ii. पहले से चतुर किसे कहा गया है?

(क) उद्धव को (ख) कृष्ण को

(ग) राधा को (घ) गोपियों को

उत्तर : (ख) कृष्ण को

iii. पहले के लोग किसके कल्याण के लिए घूमते थे?

(क) स्वयं के (ख) दूसरो के

(ग) गोपियों के (घ) कृष्ण के

उत्तर : (ख) दूसरो के

iv. कृष्ण ने गोपियों के साथ क्या अपनाई?

(क) नीति (ख) योग

(ग) अनीति (घ) राजनीति

उत्तर : (ग) अनीति

v. प्रस्तुत काव्यांश में किस पर व्यंग्य किया गया है?

(क) कृष्ण द्वारा गोपियों पर

(ख) उद्धव द्वारा गोपियों पर

(ग) गोपियों द्वारा कृष्ण पर

(घ) कृष्ण द्वारा उद्धव पर

उत्तर : (ग) गोपियों द्वारा कृष्ण परे

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. तुलसीदास किस शाखा के प्रतिनिधि कवि थे?

(क) बल्लभमार्गी शाखा

(ख) शिवमार्गी शाखा

(ग) कृष्णमार्गी शाखा

(घ) राममार्गी शाखा

उत्तर : (घ) राममार्गी शाखा

ii. इनमें कौन–सी रचना तुलसीदास जी की नहीं है?

(क) रामचरितमानस

(ख) सुदामा–चरित

(ग) कवितावली

(घ) विनय पत्रिका

उत्तर : (ख) सुदामा–चरित